प्रारंभिक परीक्षा

ऑपरेशन चक्र-V

संदर्भ

CBI ने ऑपरेशन चक्र-**V** के तहत साइबर अपराध गिरोह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जो फर्जी तकनीकी सहायता कॉल सेंटर चला रहे थे और माइक्रोसॉफ्ट के प्रतिनिधि बनकर जापानी नागरिकों को ठग रहे थे।

ऑपरेशन चक्र-V के बारे में -

- **लॉन्च किया गया:** केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) द्वारा
- **उद्देश्य**:
    - विदेशी नागरिकों को धोखा देने वाले अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध नेटवर्क को नष्ट करना।
    - पैसा ऐंठने के लिए सिंडिकेट ने खुद को माइक्रोसॉफ्ट तकनीकी सहायता प्रदाता के रूप में पेश किया।
- **समन्वय**:
    - **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग**:
        - जापान की राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी
        - माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन
    - साइबर अपराधियों के नेटवर्क की पहचान करने और उन पर नज़र रखने में मदद की।
- **संचालित ऑपरेशन**:
    - दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में 19 स्थानों पर छापेमारी
    - दो अवैध कॉल सेंटर ध्वस्त किये गये
- **काम करने का ढंग**:
    - तकनीकी सहायता का दिखावा किया
    - जापानी पीड़ितों को बताया गया कि उनके डिवाइस "हैक" हो गए हैं
    - रिमोट एक्सेस और नकली मरम्मत शुल्क के माध्यम से पैसे निकाले गए
- **पिछले ऑपरेशन:** ऑपरेशन चक्र-IV में इंटरपोल चैनलों का उपयोग करके वैश्विक रूप से समन्वित प्रतिक्रिया के माध्यम से संगठित साइबर-सक्षम वित्तीय अपराधों को लक्षित किया गया था।

स्रोत: The Hindu

अहिल्या बाई होल्कर

संदर्भ

31 मई, 2025 को मराठा रानी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती मनाई गई।

अहिल्या बाई होल्कर के बारे में -

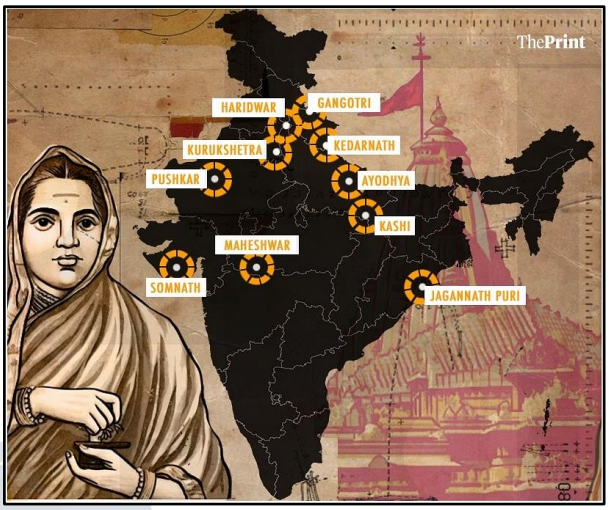

- **जन्म**: अहिल्या बाई होल्कर का जन्म 1725 में अहमदनगर जिले (महाराष्ट्र) के चोंडी गांव में एक चरवाहा (धंगर/गडरिया) परिवार में हुआ था।
- **विवाह**: 1733 में (8 वर्ष की आयु में) खंडेराव होलकर से विवाह हुआ।
- **सत्ता पर आरोहण**: **1754 में भरतपुर के राजा के खिलाफ कुंभेर के युद्ध** में अपने पति खांडेराव होलकर की मृत्यु के बाद, अहिल्या बाई ने एक शासिका के रूप में शासन करने के लिए अपने समय की पितृसत्तात्मक सीमाओं को तोड़ दिया।
- **नेतृत्व और प्रशासन:** 1767 में पेशवा ने अहिल्याबाई को मालवा पर अधिकार करने की अनुमति दे दी।
    - **वह 11 दिसंबर 1767 को सिंहासन पर बैठीं और इंदौर की शासिका बनीं।**
    - **अगले 28 वर्षों (1767 से 1795) तक महारानी अहिल्याबाई ने मालवा पर न्यायपूर्ण, बुद्धिमान और ज्ञानपूर्ण तरीके से शासन किया।**
    - अहिल्याबाई के शासन में, मालवा में अपेक्षाकृत शांति, समृद्धि और स्थिरता थी और उनकी राजधानी महेश्वर को साहित्यिक, संगीत, कलात्मक और औद्योगिक गतिविधियों के नखलिस्तान में बदल दिया गया था।
    - अपनी प्रशासनिक सरलता और राजनीतिक निष्पक्षता के लिए जानी जाने वाली, उन्होंने अपने विषयों के कल्याण की गहरी भावना के साथ राज्य का प्रबंधन किया।
    - उन्होंने अपने ससुर मल्हार राव होल्कर के एक भरोसेमंद सैनिक **तुकोजी होल्कर को अपनी सेना का सेनापति नियुक्त किया।**
- **धार्मिक एवं सांस्कृतिक योगदान:**
    - **आस्था और दर्शन**: एक कट्टर हिंदू, अहिल्या बाई ने पुराण पाठ और यज्ञों में भाग लिया और अपनी आध्यात्मिकता को अपने शासन में एकीकृत किया।
    - **मंदिर का जीर्णोद्धार और योगदान**:
        - **1780 में, अहिल्या बाई होल्कर ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का नेतृत्व किया, जिसे मुगल सम्राट औरंगजेब द्वारा ध्वस्त किये जाने के लगभग 100 वर्ष बाद बनाया गया था।**
        - **वह 1783 में सोमनाथ मंदिर के निर्माण के लिए जिम्मेदार थीं।**
        - अहिल्या बाई होल्कर ने बद्रीनाथ, द्वारका, ओंकारेश्वरी, गया और रामेश्वरम सहित अन्य पवित्र स्थलों के संवर्धन में भी योगदान दिया।
        - इसके अतिरिक्त, उन्होंने तीर्थयात्रियों के लिए विश्रामगृहों और सार्वजनिक घाटों के निर्माण का भी समर्थन किया।
    - **आर्थिक एवं सामाजिक विकास:**
        - **माहेश्वरी साड़ियाँ**: अहिल्या बाई ने माहेश्वरी साड़ियों के उत्पादन को बढ़ावा दिया, जिससे बुनकरों को आय प्राप्त हुई और यह एक सांस्कृतिक प्रतीक बन गई।

- **शहरी एवं पर्यावरण विकास**: उन्होंने इंदौर के विकास तथा वन एवं वन्य जीवन के संरक्षण में योगदान दिया।
- **व्यापार और वाणिज्य:** उनके शासन में व्यापार फला-फूला, जिससे उनके राज्य की समृद्धि बढ़ी।

- **सामाजिक समावेशन और विरासत:**
  - **समावेशिता:** उनके शासन में भील और गोंड जातियों जैसे हाशिए पर पड़े समुदायों को मुख्यधारा में लाने के प्रयास शामिल थे।
  - **मान्यता**: यद्यपि उन्हें राष्ट्रीय स्तर से अधिक क्षेत्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त था, तथापि उन्हें जदुनाथ सरकार, एनी बेसेंट और जॉन की जैसे इतिहासकारों से भी प्रशंसा प्राप्त हुई।
    - **जॉन की ने** रानी को **'दार्शनिक रानी' की उपाधि दी थी।**
  - **लैंगिक मानदंडों पर प्रभाव:** अहिल्या बाई का शासन लैंगिक मानदंडों से ऊपर उठने और प्रभावी शासन के लिए एक मिसाल कायम करने के लिए जाना जाता है।

स्रोत: The Hindu

राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार

संदर्भ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार प्रदान किए।

पुरस्कार के बारे में -

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा स्थापित।
- **नाम:** फ्लोरेंस नाइटिंगेल
- **स्थापना वर्ष: 1973**
- **उद्देश्य:** उत्कृष्ट नर्सिंग पेशेवरों को उनकी निस्वार्थ सेवा, रोगी देखभाल में उत्कृष्टता, नर्सिंग प्रथाओं में नवाचार और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित करना
- **पात्रता**: पंजीकृत नर्स, सहायक नर्स दाइयों (एएनएम) और महिला स्वास्थ्य आगंतुक (एलएचवी) जो निम्न क्षेत्रों में काम करती हैं:
    - सरकारी, निजी या स्वैच्छिक क्षेत्र
    - ग्रामीण और शहरी स्वास्थ्य सेवा सेटअप
- **प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस या किसी संबद्ध तिथि पर प्रदान किया जाता है**

फ्लोरेंस नाइटिंगेल कौन थी?

- **आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक**
- क्रीमियन युद्ध में काम के लिए प्रसिद्ध (सैनिकों की बेहतर देखभाल)
- **पहला नर्सिंग स्कूल स्थापित किया (नाइटिंगेल स्कूल, 1860)**
- जीवन बचाने के लिए स्वच्छता की वकालत की
- **उपनाम "लेडी विद द लैंप"**
- **नोट्स ऑन नर्सिंग पुस्तक**(मुख्य नर्सिंग सिद्धांत) लिखी
- दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवा सुधारों की अगुआई की

स्रोत: PIB

प्रतीक और नाम (अनुचित प्रयोग निवारण) अधिनियम, 1950

संदर्भ

सुप्रीम कोर्ट ने प्रतीक अधिनियम में सावरकर का नाम शामिल करने की याचिका खारिज कर दी।

अधिनियम की मुख्य विशेषताएं -

- **उद्देश्य**: कुछ राष्ट्रीय प्रतीकों, नामों और चिह्नों की गरिमा की रक्षा के लिए उनके अनधिकृत व्यावसायिक या व्यक्तिगत उपयोग को रोकना।
- **निषिद्ध उपयोग (धारा 3):**
    - **बिना अनुमति के भारत सरकार, संयुक्त राष्ट्र, विश्व स्वास्थ्य संगठन आदि के नाम, प्रतीक या आधिकारिक मुहरों के उपयोग को प्रतिबंधित करता है।**
    - "महात्मा गांधी", "जवाहरलाल नेहरू" या केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट किसी भी अन्य नाम के दुरुपयोग पर रोक।
- **कानूनी दंड:** उल्लंघन करने पर जुर्माना (500 रुपये तक) या कारावास हो सकता है।
- **अभियोजन के लिए पूर्व मंजूरी:** इस अधिनियम के तहत दंडनीय किसी भी अपराध के लिए कोई भी कानूनी कार्रवाई केंद्र सरकार या केंद्र सरकार द्वारा सामान्य या विशिष्ट आदेश के माध्यम से नामित किसी अधिकृत अधिकारी की पूर्व मंजूरी के बिना शुरू नहीं की जा सकती।
- **अनुसूची में संशोधन करने की शक्ति:** केंद्र सरकार को आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना जारी करके अनुसूची को संशोधित या विस्तारित करने का अधिकार है।

नवीन जिंदल बनाम भारत संघ (2004)

- **सुप्रीम कोर्ट का फैसला: माना गया कि राष्ट्रीय ध्वज फहराना अनुच्छेद-19(1)(a) (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) के तहत एक मौलिक अधिकार है।**
- **विनियमन कानून:**
    - प्रतीक और नाम अधिनियम, 1950 - राष्ट्रीय प्रतीकों के दुरुपयोग को रोकता है।
    - राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 - ध्वज के अनादर को दंडित करता है।
    - **भारतीय ध्वज संहिता 2002**: चुनौती दी गई लेकिन गरिमा बनाए रखने के लिए उचित प्रतिबंधों के साथ बरकरार रखा गया।
    - **निर्णय का प्रभाव**: नागरिक अधिकारों और प्रतिबंधों को संतुलित करते हुए सम्मान के साथ निजी तौर पर ध्वज को प्रदर्शित कर सकते हैं।

स्रोत: Indian Express

डार्क फैक्ट्रियां(Dark Factories)

संदर्भ

वित्त वर्ष 2025 के लिए टीसीएस की वार्षिक रिपोर्ट में, टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने आईटी और व्यावसायिक सेवाओं में महत्वपूर्ण परिवर्तन पर जोर दिया, जो एआई एजेंटों और रोबोटिक्स द्वारा संचालित स्वायत्त संचालन की ओर कदम बढ़ाकर 'डार्क फैक्ट्रियों' के उद्भव का मार्ग प्रशस्त करता है।

डार्क फैक्ट्रीज़ का क्या मतलब है?

- **डार्क फैक्ट्रीज़, जिन्हें लाइट्स-आउट मैन्युफैक्चरिंग के नाम से भी जाना जाता है, पूरी तरह से स्वचालित सुविधाएँ हैं जहाँ बिना किसी मानवीय उपस्थिति के उत्पादन किया जाता है।**
- ये फैक्ट्रीज़ या कारखाने सभी विनिर्माण कार्यों को प्रबंधित करने के लिए रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स (IoT) के संयोजन पर निर्भर करते हैं।
- **साइट पर कोई मानव श्रमिक न होने के कारण, सुविधा पूर्ण अंधेरे में काम कर सकती है - इसलिए इसे "डार्क फैक्ट्री" कहा जाता है।**
- **प्रमुख लाभ:**
    - **सतत संचालन:** मशीनें बिना किसी ब्रेक, अवकाश या शिफ्ट परिवर्तन की आवश्यकता के चौबीसों घंटे काम करती हैं।
    - **बढ़ी हुई दक्षता:** स्वचालन त्रुटियों को न्यूनतम करता है और उत्पादन चक्र को महत्वपूर्ण रूप से तेज करता है।
    - **लागत में कमी:** सीमित मानवीय भागीदारी से वेतन, बीमा और कार्यस्थल सुरक्षा से संबंधित व्यय कम हो जाते हैं।
    - **बेहतर सुरक्षा:** रोबोट खतरनाक कार्य भी कर सकते हैं, जिससे दुर्घटनाओं और चोटों का जोखिम कम हो जाता है।
    - **मापनीयता:** एआई-संचालित प्रणालियां, कर्मचारियों को पुनः प्रशिक्षण दिए बिना, बदलती मांगों के अनुरूप शीघ्रता से समायोजित हो सकती हैं।

चुनौतियाँ और सीमाएँ -

- **उच्च आरंभिक निवेश:** रोबोटिक्स, एआई सिस्टम और सहायक बुनियादी ढाँचे के लिए महत्वपूर्ण पूंजी की आवश्यकता होती है।
- **नौकरी विस्थापन:** मानव श्रम को स्वचालन से बदलने से बेरोज़गारी और असमानता के बारे में सामाजिक चिंताएँ पैदा होती हैं।
- **परिचालन जोखिम:** एक भी तकनीकी विफलता संभावित रूप से पूरी उत्पादन लाइन को बंद कर सकती है।
- **सीमित लचीलापन:** मानव श्रमिकों के विपरीत, मशीनों को नए कार्यों या परिवर्तनों के अनुकूल होने के लिए जटिल पुनर्प्रोग्रामिंग की आवश्यकता होती है।
- **साइबर सुरक्षा कमज़ोरियाँ:** स्वचालित सिस्टम हैकिंग, डेटा उल्लंघनों और अन्य साइबर खतरों के प्रति संवेदनशील होते हैं।

स्रोत: The Hindu

भारत में शहद उत्पादन

संदर्भ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले एक दशक में भारत के शहद उद्योग की परिवर्तनकारी यात्रा पर प्रकाश डाला।

भारत में शहद उत्पादन पर जानकारी -

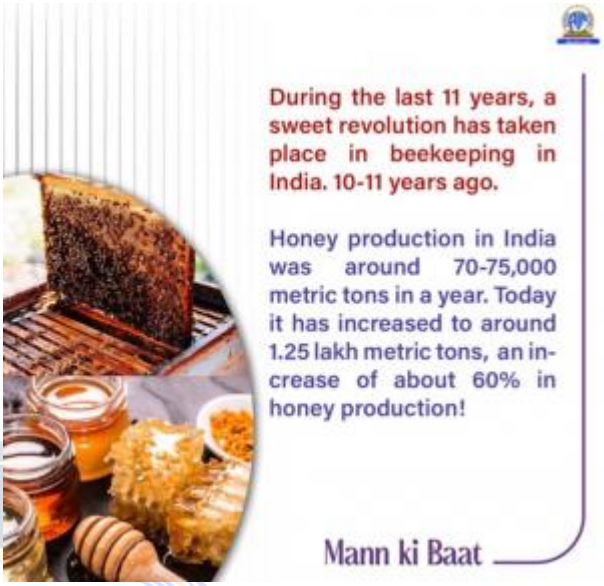

- **वार्षिक उत्पादन:** भारत ने लगभग 1,46,000 मीट्रिक टन (एमटी) शहद का उत्पादन किया (2023-24 के लिए तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार)।
- **वित्त वर्ष 2024 में निर्यात:**
    - **मात्रा:** 1,07,963.21 मीट्रिक टन
    - **मूल्य:** 177.52 मिलियन अमरीकी डॉलर
- **शीर्ष निर्यात गंतव्य:** संयुक्त राज्य अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर और लीबिया।
- **प्रमुख शहद उत्पादक राज्य:**
    - **उत्तर प्रदेश:** 17%
    - **पश्चिम बंगाल:** 16%
    - **पंजाब:** 14%
    - **बिहार:** 12%
    - **राजस्थान:** 9%
- **वैश्विक रैंकिंग:**
    - **भारत: शहद का 7वां सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक।**
    - **चीन:** विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक।

भारत में शहद उत्पादन को बढ़ावा देने की पहल -

शहद मिशन कार्यक्रम

- **लॉन्च किया गया:** खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा
- **नोडल मंत्रालय:** सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई)
- **लॉन्च का वर्ष: 2017–18**
- **उद्देश्य:** मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देना तथा विशेष रूप से दूरदराज और आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में किसानों, आदिवासी समुदायों और बेरोजगार युवाओं के लिए स्वरोजगार सृजित करना।
- **प्रदान की गई सहायता:** लाभार्थियों को मधुमक्खी के बक्से, जीवित मधुमक्खी कालोनियां, मधुमक्खी पालन उपकरण किट और प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन (NBHM)

- **नोडल मंत्रालय:** कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
- **कार्यान्वयनकर्ता:** राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (एनबीबी)
- **प्रकार:** केंद्रीय क्षेत्र योजना
- **उद्देश्य:** पूरे भारत में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देना और **'मीठी क्रांति'** के लक्ष्य को प्राप्त करना।

केस स्टडी: सोन्हानी ऑर्गेनिक शहद – कोरिया जिला, छत्तीसगढ़

- **उत्पाद: 'सोन्हानी' - जंगल के फूलों से बना शुद्ध, जैविक शहद।**
- **निर्माता:** कोरिया जिले के आदिवासी किसान।
- **सहायता:** इस परियोजना को जिला खनिज निधि द्वारा वित्त पोषित किया गया है।
- **किसान प्रशिक्षण:** दस किसानों का चयन किया गया और उन्हें विशेष मधुमक्खी पालन केन्द्रों पर प्रशिक्षित किया गया।

तथ्य

- **विश्व मधुमक्खी दिवस:** मधुमक्खियों और मधुमक्खी पालन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल **20 मई को मनाया जाता है।**

यूपीएससी पीवाईक्यू (2025)

प्रश्न: वर्ष 2022-23 के दौरान हल्दी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. भारत विश्व में हल्दी का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है।
II. भारत में हल्दी की 30 से अधिक किस्में उगाई जाती हैं।
III. महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु भारत में प्रमुख हल्दी उत्पादक राज्य हैं।

उपर्युक्त में से कौन से कथन सही हैं?

(a) केवल I और II
(b) केवल II और III
(c) केवल I और III
(d) I, II और III

स्रोत: News On Air

गोवा का राज्य दिवस

संदर्भ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गोवा के लोगों को उनके राज्य दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दी हैं।

गोवा के बारे में -

- **अवस्थिति:** भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट पर कोंकण क्षेत्र में स्थित गोवा भौगोलिक दृष्टि से पश्चिमी घाट द्वारा दक्कन के पठार से अलग है।
- **राजधानी: पणजी**
- **राजभाषा: कोंकणी (आठवीं अनुसूची में शामिल)।**
- **सीमाएँ:**
    - **उत्तर:** महाराष्ट्र
    - **पूर्व और दक्षिण:** कर्नाटक
    - **पश्चिम:** अरब सागर
- **पृष्ठभूमि**
    - 1510 में, अल्फोंसो डी अल्बुकर्क ने गोवा पर कब्जा कर लिया और बीजापुर के आदिल शाह को हराया।
    - 15 अगस्त 1947 को भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद, इसने पुर्तगालियों से अपने भारतीय क्षेत्रों को आत्मसमर्पण करने का अनुरोध किया। अनुरोध अस्वीकार कर दिया गया।
    - **1961 में, भारत ने "ऑपरेशन विजय" चलाया, जिसमें गोवा, दमन और दीव को भारतीय संघ में सफलतापूर्वक शामिल किया गया।**
    - इस घटना को चिह्नित करने के लिए हर साल **19 दिसंबर को "गोवा मुक्ति दिवस" मनाया जाता है।**
    - **उल्लेखनीय रूप से, पुर्तगाली 1498 में भारत आने वाले पहले यूरोपीय थे और 1961 में जाने वाले अंतिम थे।**
    - **30 मई 1987 को, गोवा को राज्य का दर्जा दिया गया, जबकि दमन और दीव केंद्र शासित प्रदेश बने रहे।**
- **भूगोल**
    - **उच्चतम बिंदु:** सोनसोगोर
    - **प्रमुख नदियाँ:**
        - जुआरी
        - मांडोवी
        - तेरेखोल
        - चपोरा
        - साल
- **गोवा में वन्यजीव अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान**
    - डॉ. सलीम अली पक्षी अभयारण्य
    - महादेई वन्यजीव अभयारण्य
    - नेत्रावली वन्यजीव अभयारण्य
    - कोटिगाओ वन्यजीव अभयारण्य
    - भगवान महावीर अभयारण्य
    - मोल्लेम राष्ट्रीय उद्यान

स्रोत: PIB

संपादकीय सारांश

भारत में धन प्रेषण परिदृश्य में परिवर्तन

संदर्भ

हाल ही में जारी आरबीआई के आंकड़ों में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच 2023-24 में 118.7 बिलियन डॉलर के रिकॉर्ड धन प्रेषण पर प्रकाश डाला गया है।

धन प्रेषण का रुझान -

- कम कुशल खाड़ी क्षेत्र के श्रमिकों से उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (**AE**) के उच्च कुशल पेशेवरों और छात्रों की ओर बदलाव देखा जा रहा है।
    - अकेले संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2023-24 में कुल प्रेषण का 27.7% योगदान दिया, जो 2020-21 में 23.4 % था।
    - सामूहिक रूप से, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर का अब कुल धन प्रेषण प्रवाह में 51.2% योगदान है।
    - यह हिस्सा खाड़ी सहयोग परिषद (GCC) देशों के हिस्से से आगे निकल गया है, जो 37.9% है।
- **राज्य वितरण:**
    - महाराष्ट्र, केरल और तमिलनाडु को कुल प्रेषण का लगभग 51% प्राप्त होता है।
    - बिहार, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को संयुक्त रूप से 6% से भी कम प्राप्त होता है।
- **डिजिटल चैनल:**
    - डिजिटल प्लेटफॉर्मों ने 73.5% धन-प्रेषण लेनदेन का प्रसंस्करण किया।
    - भारत में 200 डॉलर भेजने पर 4.9% लागत आती है, जो वैश्विक औसत (6.65%) से कम है, लेकिन फिर भी 3% के सतत विकास लक्ष्य से अधिक है।
- **क्रॉस कंट्री विविधता:**
    - संयुक्त अरब अमीरात (76.1%) और सऊदी अरब (92.7%) में डिजिटल अपनाने की दर अधिक है।
    - विनियामक और बुनियादी ढांचे की चुनौतियों के कारण कनाडा (40%), जर्मनी (55.1%), और इटली (35%) में अपनाने की दर कम है।

इसके निहितार्थ क्या हैं?

सकारात्मक प्रभाव

- **धन प्रेषण प्रवाह की अधिक स्थिरता:** उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (एई) में उच्च-कुशल प्रवासियों से प्राप्त धन प्रेषण अधिक स्थिर होते हैं तथा आर्थिक चक्रों के प्रति कम संवेदनशील होते हैं।
    - ये प्रवाह विदेशी मुद्रा भंडार और चालू खाता शेष को पूर्वानुमानित समर्थन प्रदान करते हैं।
- **उच्चतर धन प्रेषण मूल्य:** उच्च मूल्य वाले लेनदेन (₹5 लाख और उससे अधिक) का एक छोटा हिस्सा कुल धन प्रेषण मात्रा में असमान रूप से योगदान देता है, जो प्रवासी समुदाय की बढ़ी हुई कमाई क्षमता को दर्शाता है।
- **डिजिटल परिवर्तन से दक्षता बढ़ती है:** डिजिटल धनप्रेषण चैनल (73.5%) लेनदेन लागत और प्रसंस्करण समय को कम करते हैं।
    - यह अनौपचारिक से औपचारिक चैनलों की ओर बदलाव को प्रोत्साहित करता है, जिससे पारदर्शिता और विनियमन में सुधार होता है।
- **विकास प्रभाव की संभावना:** उचित नीति समर्थन के साथ, प्रेषण को बचत, निवेश और उद्यमिता में लगाया जा सकता है, जिससे वित्तीय समावेशन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

नकारात्मक प्रभाव -

- **उच्च आय वाले देशों पर अत्यधिक निर्भरता:** अब धन प्रेषण स्रोतों पर उन्नत आय वाले देशों का प्रभुत्व है (50% से अधिक), जिससे भारत नीतिगत परिवर्तनों के प्रति संवेदनशील हो गया है, जैसे कि कड़े आव्रजन नियम या विदेश में श्रम बाजार में व्यवधान।
- **संकेन्द्रण जोखिम:** उच्च मूल्य वाले लेनदेन और प्रवासियों की एक छोटी संख्या पर भारी निर्भरता से आय संबंधी झटकों का जोखिम बढ़ जाता है, जिससे ये व्यक्ति प्रभावित होते हैं।
- **डिजिटल विभाजन:** डिजिटल धन-प्रेषण चैनलों (जैसे, कनाडा, इटली) का असमान रूप से अपनाया जाना विनियामक और बुनियादी ढांचे की बाधाओं की ओर इशारा करता है जो दक्षता और समावेशन में बाधा डाल सकते हैं।
- **क्षेत्रीय असमानता:** केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे राज्य धन प्रेषण प्राप्तियों में अग्रणी हैं, जबकि गरीब राज्य (बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान) पीछे रह गए हैं - जिससे क्षेत्रीय असमानताएं बढ़ रही हैं।
- **डेटा की कमी:** धन प्रेषण के उपयोग पर घरेलू स्तर के डेटा की कमी से सूचित नीति निर्माण में बाधा उत्पन्न होती है।
    - यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि धन प्रेषण का उपयोग उत्पादक उद्देश्यों के लिए किया जाता है या उपभोग तक ही सीमित रखा जाता है, जिससे उनकी विकासात्मक क्षमता कम हो जाती है।

स्रोत: **The Hindu: Examining the RBI's remittances survey**